

REGISTERED No. D.(D.)-73

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 24]

मई विल्ली, शनिवार, जून 14, 1980/ज्येष्ठ 24, 1902

No. 24]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 14, 1980/JYAISTHA 24, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में एखा जा सफे Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

माग II—खण्ड 4 PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक निवम और प्रावेश Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

रका मंत्रालय

मई दिल्ली, 30 मई, 1980

का॰नि॰आ॰ 191. ---राष्ट्रपति, संविधान के अनुक्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त गिक्तयों का प्रयोग करते हुए, रक्षा मंत्रालय में तोप काना स्कूल में मिनिलियन राजपहित प्रधिकारी (प्रशासन) के पद पर भर्ती की पड़ित को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम धनाते हैं, प्रयात् :--

- ा. संक्षिप्त नाम श्रीर प्रारम्भ .--(1) इन नियमों का मंक्षिप्त नाम तीपखाना स्कूल सिविलियन राजपतित श्रधिकारी (प्रशासन) भर्ती नियम, 1980 है।
- (2) में राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व को प्रवृत्त होंगे।
- 2. पद संख्या, वर्गीकरण श्रीर क्षेतनमान : --उक्त एद की संख्या, उसके वर्गीकरण श्रीर उसके वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों से उपावद अनुसूची के स्तम्म 2 से 4 तक में विनिदिष्ट हैं।
- 3. भर्ती की पद्धति, माधु-सोमा और प्रहेताएं भादि .— उन्त पद पर भर्ती की पद्धति, भागु सीमा, महंताएं भौर उससे संबंधित भन्य बातें वे होगी जो पूर्वोक्त भनुसूची के स्तम्भ 5 से 14 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
 - 4 निरहताएं: --वह व्यक्ति,--
 - (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पतनी जीवित है, विवाह किया है, या
 - (सा) जिसने प्रपने पति या प्रपनी पतनी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उनत पद पर नियुक्ति का पान नहीं होगा:

परन्तु यवि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति भीर विवाह के भ्रन्य पत्तकार को लागू स्वीय विधि के भ्रधीन भनुज्ञेय है भीर ऐसा करने के लिए भ्रम्य भ्राधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. नियम शिथिल करने की शक्ति .—जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय हो किंग्रेमा करना बावस्यक या समीचीम है, वहां वह, उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबदा करके तथा संघ लोक सेवा धायोंग से परामर्थ करके, इन नियमों के किसी उपक्रम को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आवेब क्रिस किसी कर सकेगी।

250GI/89--1

6. व्यापृति .--इन नियमों का कोई भी बान ऐसे धारक्षणों, श्रायु सीमा में छूट श्रीर धन्य रियायतों पर प्रभाय नही दालेगी, जिनका केर्द्धय सरकार द्वारा इस नंग्रथ में समय समय पर निकाले गए धादेशों के अनुसार, अनुसूचिन जातियों, अनुसूचित जनजातियों श्रीर धन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना ध्रपेक्षित हैं।

च्याचाच्या करावा स्थाप		,		अनुसुची			
पदकानाम	पदीं की संख्मा	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद प्रश्ववा श्रचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले ष्यक्तिय के लिए श्रापुर्तीमा	सेना में जोहे गए विषों का फायदा केन्द्रीय सिविस सेना (पेंणन) नियम, 1972 के नियम 30 के अबीन अनुज्ञेय हैं या नहीं	सीधे भर्ती कि जाने वाले व्यक्तियों के लिए घपेक्षित शैक्षिक भीर भ्रन्य घर्हता
		3	4	5	6	7	8
मिविलियन राजपत्नित प्रशिकारी (प्रशासन)	1	र्मिविलयन रक्षा सेवा, समूह 'ख' राज- पत्निन (ग्रलिपिक करीय)	650-30-740 35-810-なって 880-40-100 なっぱっ-40-12	۲۰ 0-	लागू नहीं होता -	सागृ नहीं होता	सागू नहीं होता
सोधे मती किए आने बाले व्यक्तियों के लिए विहित श्रायु और शैक्षिक बहुँताएं प्रोक्षति की देशा में लागू होंगी या नहीं	यदि कोई ह	हो या प्रोन्नति इ ।रा स्थानान्तरण द्वा	/भतीं सीधे होंगी या प्रतिनियुक्ति/ रा तथा विभिन्न भतीं की जाने की प्रतिशततः	प्राप्तान/प्रतिनियुनि द्वारा भर्ती की वस जिनसे प्रोप्तिन/प्रिटि स्थानान्तरण किया	ामें वे श्रेणियां स ।नियुक्ति/ स	दे विभागीय प्रीप्त भित्ति है तौ उसक रिचना	
	10	11		1	2	13	14
खाग् नहीं होता	क्षे वर्ष	प्रोन्नित द्वारा		तीन वर्ष निय है। (ii) ऊपर (i) के पर, ऐसा का श्रेणी II जि प्रधीक्षक I श्रिधीक्षक II	य प्रधासक, (ने उस श्रेणी में (मित सेवा की (: न हां सकनें पिलय श्रद्धांकक जनने कार्यालय वीर कार्यालय की श्रेणियों में ग्राठ पर्यं निय-	मह 'श्र' विविशेवसंवः 1) संयुक्त मिल्रवः (जी) रक्षा मंत्रालयश्रध्यक्ष 2) मुख्य प्रणासनि ग्रिधिकारी, रक्षा मंत्राक सदस्य। 3) उप निदेशक, ती खाना (ए)सदस्य	रं। धित शिथिल करते नक समय संघ लीम नय सेवा भ्रायोग हे परामर्श भ्रावश्यक होगा। प-
				लय भदीक्षक,	र, ऐसा कार्या- श्रेणो II जिसने इंग्राठ वर्ष की		

[फा॰सं॰ 73620/जी एस/मार्टी-3]

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 30th May, 1980

S.R.O. 191.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Civilian Gazetted Officer (Administration) in the School of Artillery in the Ministry of Defence, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the School of Artillery Civilian Gazetted Officer (Administration) Recruitment Rules, 1980.

- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.
- 3. Method of recruitment, age limit, qualification, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the Scheduled aforesaid.

- 4. Disqualification.—No person.—
 - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
 - (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

- 5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect of any class or category of persons.
- 6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Schedule Castes, the Schedule Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	Num-, ober of post	Classification	Scale of Pay	Whether Selection Post or Non- Selection post	Age limit fo direct recruit		talifica	onal and other tions required irect recruits
	2	3	4	5	6	7		8
Civilian Gazetted Officer (Administration)	Se Gr G (N	vilian Defence rvice. roup 'B', azetted, lon- inisterial).	Rs. 650-30-74 35-810-EB-88 40-1000-EB-4 1200	0-	Not applicable	c Not applicable	Not	applicable
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	whether by d	promotion/ ercentage of sto be filled	motion/deputat grades from whi deputation / tra	ion/transfer, i ich promotion/	If a DPC exists whits composition	·	Circumstances in which UPSC is to be consul- ted in making recruitment
9	10	1	1		12	13		14
Not applicable	2 years	By promotio		Grade I vergular segrade. (ii) Failing (i) Superintend with 8 yearvice in Office Segrade I and	above, Office dent Grade II rears' regular the grades of Superintendent d Office Super-Grade II Comether.	(ii) Chief Admini	fence rman lstra- Minis- ember or of	shall be consul- ted while amen- ding / relaxing any of the pro- visions of these
				Office S Grade II	uperintendent, with 8 years' ervice in the			

[File No. 73620/GS/Arty 3]

नई दिल्ली, 2 जून, 1980

का०नि०आ० 192. —राष्ट्रपति, संविधान के अनुभ्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, रक्षा मंत्रालय के मधीन रक्षा सेवा कर्मचारियुन्द महाविद्यालय में मुख्य साईस के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नितिखित नियम बनाते हैं, प्रयात्:--

- ा. मंक्षित नाम प्रौर प्रारंभ .--(1) इन नियमों का नाम रक्षा सेवा कर्मजारिकृत्द महाविद्यालय (मुख्य साईस) भर्ती नियम, 1980 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. पद संख्या, वर्गीकरण ग्रीर वेतनमान .---उक्त पदःकी संख्या, उसका वर्गीकरण ग्रीर उसके वेतनमान वे होंगे जो उक्त ग्रनुसूची के स्सम्भ 2 से 4 तंक में बनिविष्ट हैं।

- 3. भर्ती को पद्धति, मातु-सोमा भौर भन्य भ्रहताएं.—मर्ती को पद्धति, आयु-सीमा, भ्रहताएं भौर उससे संबंधित भन्य वातें वे होंनी जो पूर्वोक्त भनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिदिष्ट हैं।
 - 4. निरहंताएं .--वह व्यक्ति--
 - (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिनका पनि या जिसकी पतने जीवित है, विवाह किया है, या
 - (ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के मन्य पक्षकार को लागू स्थीय विधि के मन्नीन भनुजेय है श्रीर ऐसा करने के लिए श्रन्य झाधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

- 5. नियम शिथिल करने की शक्ति .──जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवण्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबस, प्रादेण द्वारा, शिथिल कर सकेगी।
- 6. ज्यावृत्ति. ज-व्यन नियमों की कोई भी बात ऐसे घारक्षणों, घायु-सीमा में छूट घीर घत्य रियायतों पर प्रभाव नही डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार ढ़ारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए धादेशों के धनुसार शनुसूचित जातियों, धनुसूचित जनजातियों धीर घन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपवन्त करना धपेक्षित है।

			ŧ	अनुसूची						
पंद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा श्रवयन पद					श्रपेक्षिर	जाने वाले व्यक्तियं गरीक्षक भीर ग्रन् महैताएं
1	2	3	4	5		6			7	,
मुख्य सार्घस	(कार्यभार स	ारण केन्द्रीय सेवा, तमूह विश्वितिषक- वर्गीय ।	200-3-206- 4-234-व ० रो०- 4-250 क्पये	भचयन	सामू नहीं	होता		लागू मा	हीं होता	
सोधे भती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित भायुभीर तैक्षिक भहेताएं भोशति को दशा में लागू होंगी या नहीं	यदि कोई हो	या प्रोन्नति द्वार स्थानान्तरण द पद्यतियों द्वारा	त/भतीं सीधे होगी (। या प्रिंतिनयुक्ति/ गरा तथा थिभिन्न भतीं किए जाने मेंकी प्रतिशतता।	प्रोक्तति/प्रतिनियुषि द्वारा भर्ती की वष जिनसे प्रोक्षति/प्र नान्तरण किया जा	॥ में वे श्रेणि तिनियुक्ति/स्थ	यां समिति	विभाग ते है तो	 ोय प्रो उसकी संदर	चना प	भर्ती करने में किन गरिस्थितियों में संक लोक सेशा भायोग से गरामर्थ किया जायग
8	9		10	1	1		1	2		13
लागू नहीं होता	दो वर्ष	प्रोश्नति द्वारा		प्रोप्तिः ऐसा साईस जिस नियमित प्राध के पश्चात् पांच वर्ष निय सी है।	ार परनियु कि उस श्रेणी	र सी त लि में 1 मु र — 2 क	मिति वि खित हों ख्य भनुं -मध्यक नेल प्रश	देशक (सेन	म्न- ना) य।	तागू नहीं होता
						धर्म 4 नि (न	घिकारी, देशन स् ौसेना)-	् (समन्द —सर्व टाफ समन्द —सद्दस्य	वय) रस्य वय,	
	- -							टाफ समन्)—–स द स्		

New Delhi, the 2nd June, 1980

- .S.R.O. 192.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Head Syce in the Defence Services Staff College under the Ministry of Defence, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Defence Services Staff College (Head Syce) Recruitment Rules, 1980.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Number of post, classification and Scale of pay.—The number of the said post its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.
- 3. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

- 4. Disqualification.—No person,—
 - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
 - (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds so doing, exempt any person from the operation of this rule.

- 5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of person.
- 6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxations of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

No. of posts	Classification	Scale of p	y Whether Selection Post or Non- Selection Post				i other qualifica- r direct recruits
2	3	4	5		6	7	
(subject to varia- tion de-	Non-	Rs. 200-3-206 EB-4-250	4-234- Non- Selection	No	t applicable	Not app	plicable
	on, whether by d ment or by or by deputar and percent vacancies to	irect recruit- promotion tion/transfer age of the be filled by	motion / deputation grades from which p	transfor, omotion/	If a DPC e	exists, what is uposition	Circumstances in which UPSC is to be consul- ted in making recruitment
9		0	11			12	13
2 years	By promotion		Syce with 5 years co service in the gri	ide after	Promotio consisting (i) Chief I (Army) (ii) Colone tion (iii) Senior	n Committee s of : nstructor —Chairman Administra—Member Civilian Staff	Not applicable
					Officer tion)	(Coordina- Member	
	One (subject to varia- tion de- pendent on work load). Period probatic if any	One General Central (subject to varia- Group 'D', tion dependent on work load). Period of Method of probation, whether by doing if any ment or by on by deputal and percent vacancies to various me	One General Central Rs. 200-3-206 (subject Services, EB-4-250 to varia- Group 'D', tion de- pendent Ministerial. Period of Method of recruitment probation, whether by direct recruit- if any ment or by promotion of by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods 9 10 2 years By promotion	Post or Non-Selection Post 2	Post or Non-Selection Post 2	Post or Non-Selection Post 2	Post or Non-Selection Post 2 3 4 5 6 7 One General Central Rs. 200-3-206-4-234- Non-Selection (subject to varia- frion dependent on work load). Period of probation, whether by direct recruitment on work load). Period of probation, or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods 9 10 11 12 2 years By promotion By promotion: Sycc with 5 years continuous service in the grade after appointment thereto on a regular basis. By promotion: Sycc with 5 years continuous service in the grade after appointment thereto on a regular basis. (ii) Colonel Administration —Member (iii) Senior Civilian Staff Officer (Coordination (Navy))

नई दिल्ली, 2 जुन, 1980

का०नि०मा० 193.—-छावनी प्रधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का प्रनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्हारा प्रधिमूचित करती है कि छावनी बोर्ड, सैन्ट थामय माउंट की सबस्यता में कप्तान के०एम० नंबियार के त्याग पत्र को केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के कारण एक रिक्त हो गई है।

[फाइल सं॰ 19/5/सी/एम एण्ड सी/65/1274/1-सी/डी (छावनी)] New Delhi, the 2nd June, 1980

S.R.O. 193.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board St. Thomas Mount by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of Capt. K. M. N. Nambiar.

[File No. 19|5|C|L&C|65|1274|I-C|D(Cantt)]

कार्तन्त आर्थ 194.— छावती श्रिष्ठित्यम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का श्रमुसरण करते हुए केन्द्रीय मरकार एत्व्डारा प्रधिसूचित करती है कि इस स्टेशन के कमान अफनर ने कप्तान पीठ भास्करण को कप्नान केठएमठ नंवियार के स्थान पर, जिन्होंने स्थागपत्र दे दिया है, छावनी बोर्ड, सैन्ट थामस माऊंट का सदस्य मसीनीत किया है।

[फाइल संख्या 19/5/मी/एल एण्ड मी/ $65/1274/\Pi$ -सी/डी (छावनी)]

S.R.O. 194.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Capt. P. Bhaskaran has been nominated by the Officer Commanding the Station as member of Cantonment Board St. Thomas Mount vice Capt. K. M. N. Nambiar who has resigned.

[File No. 19]5[C]L&C[65]1274[H-CID(Cantts)]

का॰ नि॰ आ॰ 195. → छावनी मिधिनियम, 1924 (1924 का 2) की भारा 13 की उपधारा (७) का अनुसरण करने हुए केन्द्रीय सरकार एतवृद्धारा अधिसूचित करती है कि छावनी बीड इलाइ।बाद के निम्नलिजिन व्यक्ति, उनके सामने दिशित वार्डों से, सदस्य निर्वाचित हुए हैं।

वार्ड सं \circ ${f I}$
वा ई सं० II
बार्ड सं० III
द्याई सं o IV
आई सं० 🗸
वार्ड सं० V I
वा ई मं∘ VII

[फाइल मं० 29/20/सी/एल एण्ड सी/76/1345-र्स /डी (कैण्ट्स)]

S.R.O. 195.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies the election of the following persons to the Cantonment Board Allahabad from the wards noted against each:—

1. Shri Harish Chandra Sonkar	Ward	No.	1
2. " Raj Bahadur Agarwal	**	13	II
3. " Ramesh Chand Sonkar	71	**	III
4. " Dharam Chand Jain	,,	,,	ĮV
5. ,, R. K. B. Gill	"	"	V
6. ,, Lalji 7. ,, Pratap Bahadur Yadav	**	**	VI
7. ,, Flatap Banauur tauav	11	3.3	VII

[File No. 29]20|C|L&C|76|1345-C|D(Cantts)]

का वि का 196.— छावनी प्रधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का धनुमरण करने हुए के छोय सरकार एतव्हारा प्रधिमूचिन करती है कि छावनी बोर्ड खासयोल के निम्नलिखिन व्यक्ति, उनके सामने विशन वाडी से, सदस्य निवाचित हुए हैं:---

 श्री प्रेमचन्द जुलकन 	वार्ड सं व 🛘
2. श्री गिरधारी लाल	वार्ड सं० 🔢
 श्री किशोरी लाल 	वार्ड मं० III

4.	श्री ग्रमर नाथ	वार्ड सं० IV
5.	श्री कुलवन्त सिंह	बार्ड सं० V
6.	श्री भगत राम	वार्षे सं० VI

[फाइल संख्या 29/19/सी/एल एण्ड सी/76/1344-सी/डी (कैन्ट्स)] भाविस्य कृमार, ग्रवर सचिव

S.R.O. 196.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies the election of the following persons to the Cantonment Board Khas Yol from the wards noted against each:—

1.		i Prem Chand Julk	ап У	Vard	No.	I
2.	22	Girdhari Lal		,,	,,	П
		Kishori Lal		,,	.,	III
4.	44	Amar Nath		**	**	ΙV
		Kulwant Singh		h	11	\mathbf{v}
6.	,,	Bhagat Ram		p)	,,	VI

[File No. 29]19|C|L&C|76]1344-C|D(Cantts)]
ADITYA KUMAR, Under Secy.

मई दिल्ली, 5 जून, 1980

का०नि०आ० 197.—राष्ट्रपति, संविधान के प्रमुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदक्त मिनयों का प्रयोग करते हुए, साधारण भनिष्य निधि (रक्षा सेवा) नियम, 1960 में भौर संणोधन करने के लिए निम्नलिखिन नियम बनाते हैं, धर्यात :—

- 1. (1) इन नियमों का नाम माधारण भविष्य निश्चि (रक्षा मेवा) चतुर्थ संगोधन नियम, 1980 है।
 - (2) ये राजपन्न में प्रकाशन की तारीख़ को प्रवृक्त होंगे।
- 2. माधारण भविष्य निधि (रक्षा सेवा) नियम, 1960 के नियम 12 के उपनियम (1) में, खण्ड (घ) भ्रौर (इ) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखे जाएंगे, अर्थात् :---
- "(घ) अभिदाता, उसके कुट्टम्ब के किसी सदस्य या उस पर वस्तुतः ध्राश्रित किसी व्यक्ति द्वारा या उसके विरुद्ध लाई गई विधिक कार्यवाहियों का खर्च बहुत करने के लिए इस मामले में उपलक्ष्य अधिम, किसी अन्य सरकारी स्रोत से इसी प्रयोजन के लिए अनुज्ञेय किसी अधिम के अतिरिक्त होगा;
- (ङ) श्रभिदाता की प्रतिरक्षा का खर्च वहन करने के लिए, जहां वह प्रपने विरुद्ध किसी भ्रभिक्षित शासकीय श्रवजार की बाबत जांच में भ्रपनी प्रतिरक्षा के लिए किसी विधि व्यवसायी को नियुक्त करता है।"

[मामला सं० एफ 19(2)/80/डी (सिव० II)]

[विम मंत्रालय (रक्षा) यू०म्रो०मं० 331/पी० ए०/1980] जी०एस० गिल, उप मचिव

New Delhi, the 5th June, 1980

- S.R.O. 197.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the General Provident Fund (Defence Services) Rules, 1960, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the General Provident Fund (Defence Services) Fourth Amendment Rules, 1980.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette,
- 2. In the General Provident Fund (Defence Services) Rules 1960, in sub-rule (1) of rule 12, for clause (d) and (e), the following clauses shall be substituted, namely:—
- "(d) to meet the cost of legal proceedings instituted by or against the subscriber, any member of his family or any person actually dependent upon him, the advance in this case being available in addition to any advance admissible for the same purpose from any other Government source;
- (e) to meet the cost of the subscriber's defence where he engages a legal practitioner to defend himself in an inquiry in respect of any alleged official misconduct on his part."

[Case No. F. 19(2)/80/D(Civ-II]

[Min of Fin (Def) u.o. No. 331-PA of 1980] G. S. GILL, Dy. Secy.